अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2013) | दिनांक 19.12.2013

तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

तेरापंथ का इतिहास – 70

प्र.1 किन्हीं ग्यारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए। 11

आचार्य श्री मघवागणी (कोई चार प्रश्न का उत्तर दें)

(क) शोभाचन्दजी आदि चार व्यक्तियों ने आचार्य ऋषिरायजी से थली पधारने की प्रार्थना कब व कहाँ की?

(ख) मघवागणी का जन्म कब हुआ?

(ग) मघवागणी द्वारा रचित संस्कृत की रचना का नाम लिखें।

(घ) मघवागणी के शासन काल में कितने साधु–साध्वियाँ दीक्षित हुए?

(ङ) गोगुन्दा में मघवागणी ने किस किसको दीक्षा प्रदान की?

(च) आचार्य मघवागणी ने ठाकुर केसरीसिंह को किसका परित्याग करवाया?

आचार्य श्री माणकगणी (कोई तीन प्रश्न के उत्तर दें)

(छ) माणकगणी को दीक्षा के कितने वर्ष पश्चात् व कब अग्रणी बनाया गया?

(ज) मुनि माणकलालजी के ''कीड़ी नगरा'' रोग का उपचार किसने किया?

(झ) माणक गणी ने आचार्य बनने के बाद सन्तों को क्या सुविधा दी?

(ञ) भावी आचार्य का नाम घोषित करने का दायित्व किस संत को दिया गया?

(ट) आचार्यश्री माणकगणी के ज्वर को प्राणहारी किसने बताया?

आचार्य श्री डालगणी (कोई चार प्रश्न का उत्तर दें)

(ठ) श्री डालगणी को दीक्षा किसने व कब प्रदान की?

(ड) अग्रणी काल में डालमुनि कितनी बार कच्छ पधारे व कितने चातुर्मास किए?

(ढ़) साध्वीप्रमुखा सरदारसती ने डालमुनि को पारितोषिक में क्या दिया?

(ण) अंतरिम काल में पंचपद वंदना के तीसरे पद में किसको वंदन किया जाने लगा?

(त) नव निर्वाचित आचार्य की सेवा का प्रथम अवसर किसे प्राप्त हुआ?

(थ) आचार्यश्री डालगणी भिक्षु शासन को किस नाम से पुकारते थे।

आचार्यश्री मघवागणी – 21

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 5

(क) मुनि मघवा को कौन–कौन सी बख्शीशें दी गई?

(ख) मघवागणी ने लोगस्स की कौनसी नई परिपाटी चालू की?

(ग) मुनि मघवा की दीक्षा का समाचार पहुँचने पर तीन छींके आने पर ऋषिरायजी ने क्या कहा?

प्र.3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए – 6

(क) ''बुद्धि स्थैर्य'' घटना प्रसंग लिखें।

(ख) घटना प्रसंग से सिद्ध करें मघवागणी ज्ञानोपलब्धि के अत्यन्त जागरूक रहते थे।

प्र.4 आचार्य मघवा की साहित्यिक प्रतिभा का विवेचन करते हुए सिद्ध करें कि आचार्य मघवा तेरापंथ धर्मसंघ में संस्कृत के प्रथम विद्वान थे। 10

अथवा

मुनि मघवा जहाँ अपनी विद्वता और कला में अनन्य थे, वहाँ आत्मगुणों की साधना में भी अनन्य थे।

आचार्य श्री माणकगणी – 17

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए। 5

(क) सांयकालीन प्रार्थना किसने शुरू की, वह बन्द क्यों हुई तथा पुनः किसने शुरू की?

(ख) मुनि चिरंजीलालजी प्रथम की दीक्षा किसके शासन काल में हुई, दूसरी दीक्षा किसने किसके शासनकाल में दी तथा अग्रणी किसके शासनकाल में बने?

(ग) आचार्य माणकगणी सर्दी या प्रतिशाय होने पर क्या दवा लेते थे?

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए – 12

(क) माणकगणी ने संघ की आन्तरिक व्यवस्था में क्या–क्या परिवर्तन किए? लिखें।

(ख) मुनि माणकलालजी के युवाचार्य मनोनयन का वर्णन अपने शब्दों में करें।

(ग) अनुशास्ता रहित व अनुशास्ता निर्वाचन तक तेरापंथ के गौरवशाली साधु–साध्वी समाज ने किस प्रकार व्यवस्था को व्यवस्थित रखा? लिखें।

आचार्यश्री डालचन्दजी – 21

प्र.7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए – 5

(क) आचार्यश्री डालगणी की माता जड़ावांजी की दीक्षा कब, कहाँ व किसके द्वारा हुई?

(ख) उदयपुर में डालमुनि ने स्थानकवासी सम्प्रदाय के चौथमलजी संत से दो कौनसे प्रश्न पूछे?

(ग) आचार्यश्री डालगणी ने साध्वी गुलाबांजी को दो बार संघ से पृथक क्यों किया?

प्र.8 कोई एक प्रश्न का 100 से 150 शब्दों में उत्तर दीजिए। 6

(क) ''हाकिम को झिड़की'' घटना प्रसंग लिखें।

(ख) आचार्य डालगणी व मुनि कालू के वार्तालाप में जो ''खरी बातें'' उद्घाटित हुई उसे लिखिए।

प्र.9 आचार्यश्री डालगणी के व्यक्तित्त्व की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए सिद्ध करें कि वे एक तेजस्वी आचार्य थे। 10

अथवा

आचार्य डालगणी के जीवन के संध्याकाल की घटनाओं से सिद्ध करें कि अग्नि कभी निस्तेज होती ही नहीं जब तक रहती है पूर्ण तेजस्विता से जलती रहती है।

तुलसी प्रबोध – 21

प्र10 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें – 12

(क) दिल्ली में प्रथम अधिवेशन वाला पद्य।

(ख) पारमार्थिक शिक्षण संस्था वाला पद्य।

(ग) आचार्य तुलसी ''जन्म'' वाला पद्य।

प्र11 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) रवींवो चंपों.....उघार हो।।

(ख) सहज स्वच्छता.....कित्ती बार हो।।

(ग) दियो अशान्त.....रंग दिरवार हो।।

(घ) बुद्धि जीवी लोग.....गुंजार हो।।

तेरापंथ प्रबोध – 9

प्र12 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) चर्चावादी कुशल.....उद्योतकार हो।।

(ख) धूप दीप.....आकार हो।।

(ग) गुणसट्ठै मांन्सुद.....दारमदार हो।।

(घ) कुण जाणै.....अभिनव द्वार हो।।